

Text Scan Input Form - Title Page

TBRC Volume Number	3868
TBRC Work Number (W)	6457
Title	ཁམ་ཁ་བྲག་རི་དམ་ཚིག་རྫོང་གི་གསུང་འབུམ་
	gsung 'bum / dam tshig rdo rje
Author	བྲག་རི་དམ་ཚིག་རྫོང་
	dam tshig rdo rje grags pa dpal
Descriptor	reproduced from an often unclear set of the blocks from mongolia; only copy known to exist
Original Publication	
Place	[lan kru'u]
Publisher	[nub byang mi rigs slob grwa chen mo]
Date	[2000?]
Total Volumes	21
Current Volume (of Total)	1
Number of TBRC Introductory Pages	2
Number of Introductory Pages	
Number of Text Pages	400
TBRC Scanning Information	scanned at the tibetan buddhist resource center, 115 5th ave., 7th floor, new york city, ny 10003 2004

Surrogate Cataloging Record

Khal kha dam tshig rdo rje'i gsung 'bum

Control Number: W6457

Type of Material: Book (Print, Microform, Electronic, etc.)

Personal Name: Dam-tshig rdo rje: Brag-ri. 1781-1855

Main Title: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum.

Edition Information: Reproduced from an unclear set of prints from the Unga blocks

Published/Created: [Lan kru'u : Nub byang mi rigs slob grwa chen mo]

Related Titles: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum bzhags so

Description: 21 v.

Notes: In Tibetan

LC Classification: BQ7550 +

Geog. Area Code: a-cc-ti a-cc-lm

CALL NUMBER: 132.7550

[illegible]

आचार्य नारायण

222

श्री गुरुदेव गीता

23

[illegible]

100-443887-1

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
पद्मे नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

১৯৭৭: ৭৪৭

[illegible]

卷之四

[illegible]



सर्वप्रथम

[illegible]

[illegible]

உதவித் தலைவர்

[illegible]

1943-1944

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥ १ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ २ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ ३ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ ४ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ ५ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ ६ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ ७ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ ८ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ ९ ॥
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

四
五
六

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

第四頁

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

मम शत्रु मम दुःख शत्रु मम दुःख मम दुःख मम दुःख

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

रिपुष्य

पुष्पादिफलस्यैव

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

●

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

٢٠

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१०१. विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ।



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सप्तमः अंशः

ཡིན་པ་ལྟར་འཕུང་ལྗོངས་དཀར་པོའི་ཕྱི་རྒྱུ་ཡིན་པ་ཞིག་ལྟར་མཐོང་བ་ཞིག་ཡིན་པ་ལྟར་

[illegible]

22

[illegible]

ਸ੍ਰੀਮਦ੍ਰਾਮਾਨੰਦਾਚਾਰਿਤ੍ਰ

ॐ । ਸਪਤਮਸ੍ਰੁਤਿਸ਼੍ਰੀਮਦ੍ਰਾਮਾਨੰਦਾਚਾਰਿਤ੍ਰਸ੍ਤੋਤ੍ਰਮ੍ । ਸਪਤਮਸ੍ਰੁਤਿਸ਼੍ਰੀਮਦ੍ਰਾਮਾਨੰਦਾਚਾਰਿਤ੍ਰਸ੍ਤੋਤ੍ਰਮ੍ । ਸਪਤਮਸ੍ਰੁਤਿਸ਼੍ਰੀਮਦ੍ਰਾਮਾਨੰਦਾਚਾਰਿਤ੍ਰਸ੍ਤੋਤ੍ਰਮ੍ ।
ਸਪਤਮਸ੍ਰੁਤਿਸ਼੍ਰੀਮਦ੍ਰਾਮਾਨੰਦਾਚਾਰਿਤ੍ਰਸ੍ਤੋਤ੍ਰਮ੍ । ਸਪਤਮਸ੍ਰੁਤਿਸ਼੍ਰੀਮਦ੍ਰਾਮਾਨੰਦਾਚਾਰਿਤ੍ਰਸ੍ਤੋਤ੍ਰਮ੍ । ਸਪਤਮਸ੍ਰੁਤਿਸ਼੍ਰੀਮਦ੍ਰਾਮਾਨੰਦਾਚਾਰਿਤ੍ਰਸ੍ਤੋਤ੍ਰਮ੍ ।

[illegible]

Handwritten text in the left margin.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

[illegible]

[illegible]

天
地
人
三
才

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Main body of handwritten text in a historical script, likely Devanagari, spanning the width of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । प्रसन्नचित्तोऽप्यनुब्रूयात्तदा ब्रह्मात्मनो यथा वदति तथैव शृणुयात् । अथ ब्रह्मात्मनो यथा वदति तथैव शृणुयात् । अथ ब्रह्मात्मनो यथा वदति तथैव शृणुयात् ।

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Main body of handwritten text in a historical script, likely Tibetan, arranged in a single horizontal line.

Handwritten marginal notes on the right side of the page.

[illegible]

321

॥ अङ्कुदसरोद्वयप्रवेगसङ्कुचः ॥ ६ ॥ अङ्कुदसरोद्वयप्रवेगसङ्कुचः ॥ ६ ॥ अङ्कुदसरोद्वयप्रवेगसङ्कुचः ॥ ६ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

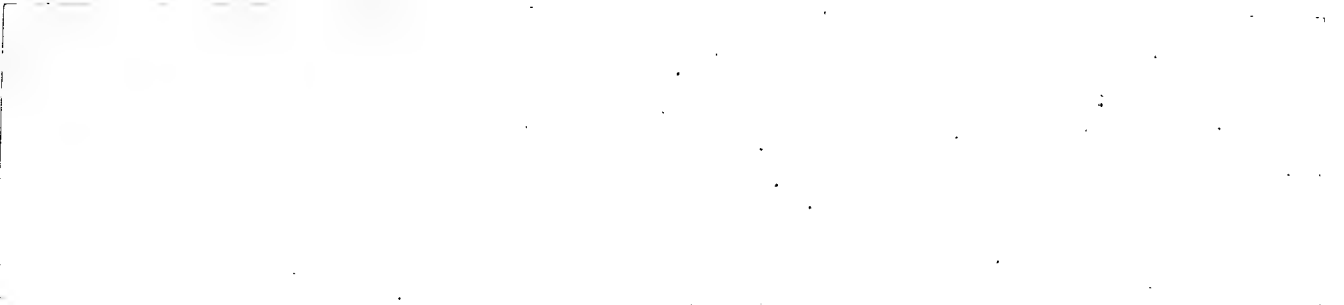
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

33

[illegible]

पदरक्षयः

201-99





101

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

131

131
[Text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in a cursive style and appears to be a religious or philosophical treatise. The page number 131 is visible in the top right corner.]

[illegible]

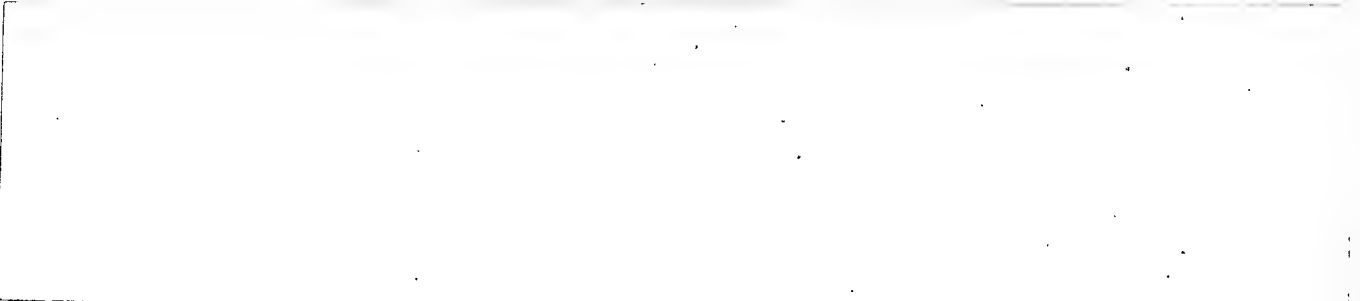
[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

~~UNCLASSIFIED~~





[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

॥२४॥

महाराष्ट्र राज्य सरकार

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

7-9035

वसिष्ठकुलपुत्रोऽयमसौ पुण्डरीकाक्षः ।

果 實 之 種 類 甚 多

卷之四

1979-80, 1980-81, 1981-82, 1982-83, 1983-84, 1984-85, 1985-86, 1986-87, 1987-88, 1988-89, 1989-90, 1990-91, 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95, 1995-96, 1996-97, 1997-98, 1998-99, 1999-00, 2000-01, 2001-02, 2002-03, 2003-04, 2004-05, 2005-06, 2006-07, 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11, 2011-12, 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2015-16, 2016-17, 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23, 2023-24, 2024-25, 2025-26, 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30, 2030-31, 2031-32, 2032-33, 2033-34, 2034-35, 2035-36, 2036-37, 2037-38, 2038-39, 2039-40, 2040-41, 2041-42, 2042-43, 2043-44, 2044-45, 2045-46, 2046-47, 2047-48, 2048-49, 2049-50, 2050-51, 2051-52, 2052-53, 2053-54, 2054-55, 2055-56, 2056-57, 2057-58, 2058-59, 2059-60, 2060-61, 2061-62, 2062-63, 2063-64, 2064-65, 2065-66, 2066-67, 2067-68, 2068-69, 2069-70, 2070-71, 2071-72, 2072-73, 2073-74, 2074-75, 2075-76, 2076-77, 2077-78, 2078-79, 2079-80, 2080-81, 2081-82, 2082-83, 2083-84, 2084-85, 2085-86, 2086-87, 2087-88, 2088-89, 2089-90, 2090-91, 2091-92, 2092-93, 2093-94, 2094-95, 2095-96, 2096-97, 2097-98, 2098-99, 2099-00, 2100-01, 2101-02, 2102-03, 2103-04, 2104-05, 2105-06, 2106-07, 2107-08, 2108-09, 2109-10, 2110-11, 2111-12, 2112-13, 2113-14, 2114-15, 2115-16, 2116-17, 2117-18, 2118-19, 2119-20, 2120-21, 2121-22, 2122-23, 2123-24, 2124-25, 2125-26, 2126-27, 2127-28, 2128-29, 2129-30, 2130-31, 2131-32, 2132-33, 2133-34, 2134-35, 2135-36, 2136-37, 2137-38, 2138-39, 2139-40, 2140-41, 2141-42, 2142-43, 2143-44, 2144-45, 2145-46, 2146-47, 2147-48, 2148-49, 2149-50, 2150-51, 2151-52, 2152-53, 2153-54, 2154-55, 2155-56, 2156-57, 2157-58, 2158-59, 2159-60, 2160-61, 2161-62, 2162-63, 2163-64, 2164-65, 2165-66, 2166-67, 2167-68, 2168-69, 2169-70, 2170-71, 2171-72, 2172-73, 2173-74, 2174-75, 2175-76, 2176-77, 2177-78, 2178-79, 2179-80, 2180-81, 2181-82, 2182-83, 2183-84, 2184-85, 2185-86, 2186-87, 2187-88, 2188-89, 2189-90, 2190-91, 2191-92, 2192-93, 2193-94, 2194-95, 2195-96, 2196-97, 2197-98, 2198-99, 2199-00, 2200-01, 2201-02, 2202-03, 2203-04, 2204-05, 2205-06, 2206-07, 2207-08, 2208-09, 2209-10, 2210-11, 2211-12, 2212-13, 2213-14, 2214-15, 2215-16, 2216-17, 2217-18, 2218-19, 2219-20, 2220-21, 2221-22, 2222-23, 2223-24, 2224-25, 2225-26, 2226-27, 2227-28, 2228-29, 2229-30, 2230-31, 2231-32, 2232-33, 2233-34, 2234-35, 2235-36, 2236-37, 2237-38, 2238-39, 2239-40, 2240-41, 2241-42, 2242-43, 2243-44, 2244-45, 2245-46, 2246-47, 2247-48, 2248-49, 2249-50, 2250-51, 2251-52, 2252-53, 2253-54, 2254-55, 2255-56, 2256-57, 2257-58, 2258-59, 2259-60, 2260-61, 2261-62, 2262-63, 2263-64, 2264-65, 2265-66, 2266-67, 2267-68, 2268-69, 2269-70, 2270-71, 2271-72, 2272-73, 2273-74, 2274-75, 2275-76, 2276-77, 2277-78, 2278-79, 2279-80, 2280-81, 2281-82, 2282-83, 2283-84, 2284-85, 2285-86, 2286-87, 2287-88, 2288-89, 2289-90, 2290-91, 2291-92, 2292-93, 2293-94, 2294-95, 2295-96, 2296-97, 2297-98, 2298-99, 2299-00, 2300-01, 2301-02, 2302-03, 2303-04, 2304-05, 2305-06, 2306-07, 2307-08, 2308-09, 2309-10, 2310-11, 2311-12, 2312-13, 2313-14, 2314-15, 2315-16, 2316-17, 2317-18, 2318-19, 2319-20, 2320-21, 2321-22, 2322-23, 2323-24, 2324-25, 2325-26, 2326-27, 2327-28, 2328-29, 2329-30, 2330-31, 2331-32, 2332-33, 2333-34, 2334-35, 2335-36, 2336-37, 2337-38, 2338-39, 2339-40, 2340-41, 2341-42, 2342-43, 2343-44, 2344-45, 2345-46, 2346-47, 2347-48, 2348-49, 2349-50, 2350-51, 2351-52, 2352-53, 2353-54, 2354-55, 2355-56, 2356-57, 2357-58, 2358-59, 2359-60, 2360-61, 2361-62, 2362-63, 2363-64, 2364-65, 2365-66, 2366-67, 2367-68, 2368-69, 2369-70, 2370-71, 2371-72, 2372-73, 2373-74, 2374-75, 2375-76, 2376-77, 2377-78, 2378-79, 2379-80, 2380-81, 2381-82, 2382-83, 2383-84, 2384-85, 2385-86, 2386-87, 2387-88, 2388-89, 2389-90, 2390-91, 2391-92, 2392-93, 2393-94, 2394-95, 2395-96, 2396-97, 2397-98, 2398-99, 2399-00, 2400-01, 2401-02, 2402-03, 2403-04, 2404-05, 2405-06, 2406-07, 2407-08, 2408-09, 2409-10, 2410-11, 2411-12, 2412-13, 2413-14, 2414-15, 2415-16, 2416-17, 2417-18, 2418-19, 2419-20, 2420-21, 2421-22, 2422-23, 2423-24, 2424-25, 2425-26, 2426-27, 2427-28, 2428-29, 2429-30, 2430-31, 2431-32, 2432-33, 2433-34,

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

Figure 1

६५। - पूर्णपरीक्षा लक्षणं बुद्ध्या च चरितेन च प्रवेष्टव्यम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१८५४ ई. १० भा. १३ दिना

22

11. अथर्ववेदः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच । ॥ द्रुपद उवाच । ॥ २ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a continuation of handwritten script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a historical or administrative document.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

- 21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि शूरवीराः संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1 2 3

11 2

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ यथा श्रुतं देहं भुज्यते तदा देहं भुज्यते तदा देहं भुज्यते ॥

ब्रह्मर्षिः श्रीगुरुदेवस्य शिष्यः श्रीगुरुदेवस्य शिष्यः ।

॥ अथ चतुर्थः प्रश्नः ॥ अथ चतुर्थः प्रश्नः ॥ अथ चतुर्थः प्रश्नः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

३५०

[illegible][illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

Handwritten marginal notes on the right side of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in the left margin, likely a commentary or index.

181
[Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines.]

[illegible]

॥ २३ ॥

॥ सुप्रसन्नोऽहं नमस्कृत्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥

॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥

॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥
॥ नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः प्रणम्य नमः ॥

॥ २३ ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

39

[illegible]

[illegible]

31

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

১৯৭১ সালের ১৫ আগস্ট বাংলাদেশ স্বাধীন হওয়ার পরে
 বাংলাদেশ সরকারের পক্ষে লড়াই করেছেন।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতায়াং অষ্টাদশোধ্যায়ঃ । শ্রীকৃষ্ণায়া নমঃ ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

997

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥

[Faint, illegible handwritten text]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथवा

संक्षेपः। विषयप्रत्यक्षेण संक्षेपप्रत्यक्षेण।

[Faint handwritten Devanagari script at the bottom]

अथ पञ्चमः प्रश्नः । अथ सप्तमः प्रश्नः । अथ अष्टमः प्रश्नः । अथ नवमः प्रश्नः । अथ दशमः प्रश्नः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

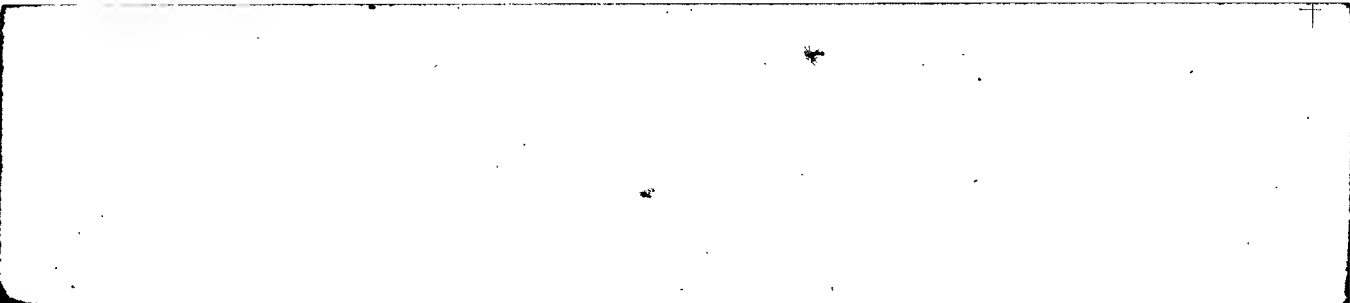
[Faint handwritten Devanagari script]

۱۲۴

[illegible]

[Faint handwritten text, possibly "The Great Hall"]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO





THE HISTORY OF THE
CITY OF BOSTON
FROM THE FIRST SETTLEMENT
TO THE PRESENT TIME
BY
JOHN HUTCHINGS
OF THE BOSTON BAR
IN TWO VOLUMES
VOL. I.
BOSTON: PUBLISHED BY
J. B. ALLEN, 1824.



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 अथ श्रीकृष्णार्चनम्
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 अथ श्रीकृष्णार्चनम्
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखात्तु मे सुश्रूय त्वत्त्वमात्मनः ।
उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता संभूताः । मामका पाण्डवश्चैव किमकुर्वत सन् ॥
नामस्मि ते महामुनिषां प्रसादात्प्राप्तमिममार्जुन । योगधर्मञ्चैव तेन गन्तव्यं देवपुत्र ॥
विश्वकर्मा मया हस्तयेतुं प्राणिनां देवाणां बुधैः । तेषां बलमहोत्तम त्वमेकं शरीरमात्मनः ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखात्तु मे सुश्रूय त्वत्त्वमात्मनः ।
उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता संभूताः । मामका पाण्डवश्चैव किमकुर्वत सन् ॥
नामस्मि ते महामुनिषां प्रसादात्प्राप्तमिममार्जुन । योगधर्मञ्चैव तेन गन्तव्यं देवपुत्र ॥
विश्वकर्मा मया हस्तयेतुं प्राणिनां देवाणां बुधैः । तेषां बलमहोत्तम त्वमेकं शरीरमात्मनः ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurriness and poor contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रोऽप्यर्जुनस्य च ॥
 धनुर्धरं धनुर्धरं धनुर्धरं धनुर्धरं धनुर्धरं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रोऽप्यर्जुनस्य च ॥
 धनुर्धरं धनुर्धरं धनुर्धरं धनुर्धरं धनुर्धरं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥





ॐ

हस्तशिल्पकारों के लिए नौकरागारों की स्थापना

संस्कृत
विभाग
संस्कृत

[illegible]

॥ २५ ॥
 अथ यत्किंचिदप्युच्यते तत्तन्मया विज्ञेयम् ।
 अथ यत्किंचिदप्युच्यते तत्तन्मया विज्ञेयम् ।
 अथ यत्किंचिदप्युच्यते तत्तन्मया विज्ञेयम् ।
 अथ यत्किंचिदप्युच्यते तत्तन्मया विज्ञेयम् ।

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten or printed script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

अथैवमिति

[illegible]

विष्णुः कर्तृत्वात्

[illegible]

पञ्चमः अङ्कः

[illegible]

Figure 1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

237





[illegible]

[illegible]

३५३७६७४०३५

འོད་སྔོན་གྱི་ཉེན་ཁུངས་

[Faint handwritten Burmese script]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥
 वीक्ष्य धर्मं क्षुर्यान्धकारो मे मूर्छितचेतः ॥ तस्मात्प्रसादात्पश्येम ह्यर्जुन यद्विषयम् ॥
 १ ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The image shows a highly degraded scan of a document page with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is extremely faint and blurry, making it largely illegible. It appears to be a single page from an old manuscript or book.]

...
...
...
...
...
...
...

255

...
...
...
...
...
...

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately six horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

Handwritten text in the right margin, likely a commentary or reference.

Handwritten text in the main body of the page, consisting of several lines of script.

[The following section contains several lines of extremely faint handwritten text, likely bleed-through from another page.]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

Handwritten marginal notes in Devanagari script, located on the right side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, consisting of multiple lines of prose. The script is dense and appears to be a historical or literary document. The text is written in a cursive style typical of older Indian manuscripts.

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuous paragraph of handwritten text.]

[illegible]

100
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical or administrative record.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.)

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a dense paragraph of handwritten or printed script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

इत्युक्तं तत्रैव यदुक्तं तदुक्तं।

बहुवचनस्यैव बहुवचनस्यैव बहुवचनस्यैव

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཆོས་ཀྱི་ལུས་འདུག་པར་བློ་བྲལ་བ་ཞིག་ཡིན་པ་མཚན་

[illegible]

ཕྱི་མཁའ་དང་ལྷན་པོར་རྒྱལ་པོ་མཆོད་པར།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

प्रा. २५५ के अन्तर्गत दण्डित है।

अथवा

[illegible]

འཕྲུལ་གྱི་ཕྱི་ཕྱོད་

अथ यथावच्छिन्नं च

۱۰۸

[Faint handwritten notes at bottom]

संविधानसभा

॥ अथ कुरुपुत्रोद्धारः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

गन्तव्यं यत्किंचिदप्युच्यते।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ཁ་རྒྱུ་ཡང་དག་སྟེ་བློ་རྩལ་མཉམ་པའི་ཕྱིན་ཆས་ཤིག་ཏུ།

References

4999 1/2

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ३६ ...
... ३७ ...
... ३८ ...
... ३९ ...
... ४० ...
... ४१ ...
... ४२ ...
... ४३ ...
... ४४ ...
... ४५ ...
... ४६ ...
... ४७ ...
... ४८ ...
... ४९ ...
... ५० ...
... ५१ ...
... ५२ ...
... ५३ ...
... ५४ ...
... ५५ ...
... ५६ ...
... ५७ ...
... ५८ ...
... ५९ ...
... ६० ...
... ६१ ...
... ६२ ...
... ६३ ...
... ६४ ...
... ६५ ...
... ६६ ...
... ६७ ...
... ६८ ...
... ६९ ...
... ७० ...
... ७१ ...
... ७२ ...
... ७३ ...
... ७४ ...
... ७५ ...
... ७६ ...
... ७७ ...
... ७८ ...
... ७९ ...
... ८० ...
... ८१ ...
... ८२ ...
... ८३ ...
... ८४ ...
... ८५ ...
... ८६ ...
... ८७ ...
... ८८ ...
... ८९ ...
... ९० ...
... ९१ ...
... ९२ ...
... ९३ ...
... ९४ ...
... ९५ ...
... ९६ ...
... ९७ ...
... ९८ ...
... ९९ ...
... १०० ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०१
 १०२
 १०३
 १०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to contain multiple lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥
॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥
॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥
॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥
॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥
॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥
॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभक्त्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशभक्त्यो नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णुभक्त्यो नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवभक्त्यो नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्मभक्त्यो नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहादेवभक्त्यो नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणभक्त्यो नमः ॥ १८ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and illegible due to extreme contrast and blurring.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2550 17 29 23 25

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.]

... २७ ...
... २८ ...
... २९ ...
... ३० ...
... ३१ ...
... ३२ ...
... ३३ ...
... ३४ ...
... ३५ ...
... ३६ ...
... ३७ ...
... ३८ ...
... ३९ ...
... ४० ...
... ४१ ...
... ४२ ...
... ४३ ...
... ४४ ...
... ४५ ...
... ४६ ...
... ४७ ...
... ४८ ...
... ४९ ...
... ५० ...
... ५१ ...
... ५२ ...
... ५३ ...
... ५४ ...
... ५५ ...
... ५६ ...
... ५७ ...
... ५८ ...
... ५९ ...
... ६० ...
... ६१ ...
... ६२ ...
... ६३ ...
... ६४ ...
... ६५ ...
... ६६ ...
... ६७ ...
... ६८ ...
... ६९ ...
... ७० ...
... ७१ ...
... ७२ ...
... ७३ ...
... ७४ ...
... ७५ ...
... ७६ ...
... ७७ ...
... ७८ ...
... ७९ ...
... ८० ...
... ८१ ...
... ८२ ...
... ८३ ...
... ८४ ...
... ८५ ...
... ८६ ...
... ८७ ...
... ८८ ...
... ८९ ...
... ९० ...
... ९१ ...
... ९२ ...
... ९३ ...
... ९४ ...
... ९५ ...
... ९६ ...
... ९७ ...
... ९८ ...
... ९९ ...
... १०० ...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

Handwritten text in the left margin, likely a commentary or index.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the right margin, likely a commentary or index.

[illegible]

॥ २८ ॥
 ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuation of a handwritten document or manuscript.]

[illegible]

[illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

५५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.]

[illegible]

... ॥ १५॥ ... ॥ १६॥ ... ॥ १७॥ ... ॥ १८॥ ... ॥ १९॥ ... ॥ २०॥ ... ॥ २१॥ ... ॥ २२॥ ... ॥ २३॥ ... ॥ २४॥ ... ॥ २५॥ ... ॥ २६॥ ... ॥ २७॥ ... ॥ २८॥ ... ॥ २९॥ ... ॥ ३०॥ ... ॥ ३१॥ ... ॥ ३२॥ ... ॥ ३३॥ ... ॥ ३४॥ ... ॥ ३५॥ ... ॥ ३६॥ ... ॥ ३७॥ ... ॥ ३८॥ ... ॥ ३९॥ ... ॥ ४०॥ ... ॥ ४१॥ ... ॥ ४२॥ ... ॥ ४३॥ ... ॥ ४४॥ ... ॥ ४५॥ ... ॥ ४६॥ ... ॥ ४७॥ ... ॥ ४८॥ ... ॥ ४९॥ ... ॥ ५०॥ ... ॥ ५१॥ ... ॥ ५२॥ ... ॥ ५३॥ ... ॥ ५४॥ ... ॥ ५५॥ ... ॥ ५६॥ ... ॥ ५७॥ ... ॥ ५८॥ ... ॥ ५९॥ ... ॥ ६०॥ ... ॥ ६१॥ ... ॥ ६२॥ ... ॥ ६३॥ ... ॥ ६४॥ ... ॥ ६५॥ ... ॥ ६६॥ ... ॥ ६७॥ ... ॥ ६८॥ ... ॥ ६९॥ ... ॥ ७०॥ ... ॥ ७१॥ ... ॥ ७२॥ ... ॥ ७३॥ ... ॥ ७४॥ ... ॥ ७५॥ ... ॥ ७६॥ ... ॥ ७७॥ ... ॥ ७८॥ ... ॥ ७९॥ ... ॥ ८०॥ ... ॥ ८१॥ ... ॥ ८२॥ ... ॥ ८३॥ ... ॥ ८४॥ ... ॥ ८५॥ ... ॥ ८६॥ ... ॥ ८७॥ ... ॥ ८८॥ ... ॥ ८९॥ ... ॥ ९०॥ ... ॥ ९१॥ ... ॥ ९२॥ ... ॥ ९३॥ ... ॥ ९४॥ ... ॥ ९५॥ ... ॥ ९६॥ ... ॥ ९७॥ ... ॥ ९८॥ ... ॥ ९९॥ ... ॥ १००॥ ... ॥

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

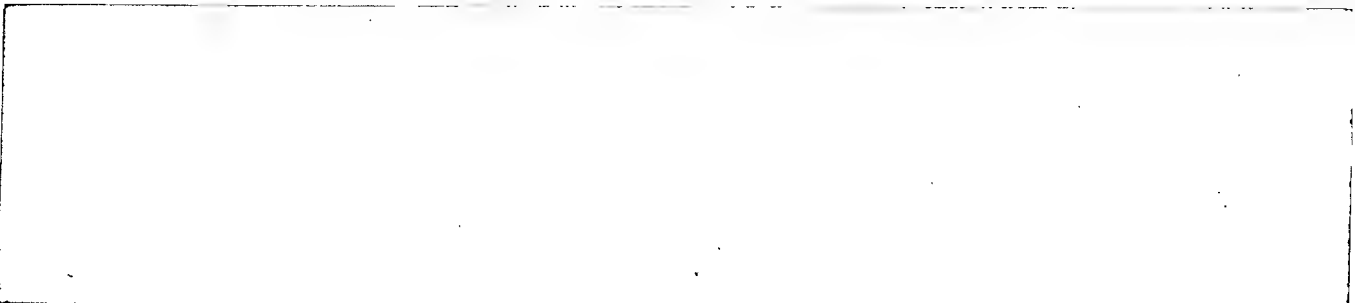
121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200.

121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200.

121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200.

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12-13-74

40

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ।

[illegible]

[illegible]

129

॥ अथ भुक्तुं भुक्तुं भुक्तुं भुक्तुं भुक्तुं भुक्तुं भुक्तुं भुक्तुं ॥

[illegible]

उत्सवपरिचय पत्रिका

॥ इह । श्रीगुरुदेवदत्तस्यै नमः ॥

नयनमयपद्मवद्विभक्तवदनः

अथ परब्रह्मपदवाचकं कथयिष्ये

[illegible]



संस्कृत-भाषा-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible][illegible]

इति चोक्तं ॥ अथ यत्तु देवदेवता केन विवक्ष्यते ॥ यत्तु देवदेवता केन विवक्ष्यते ॥ यत्तु देवदेवता केन विवक्ष्यते ॥

देवदत्तदासकेवलनाथमुखादिप्रमाणम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

191

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ATTENTION

14-00000

1474

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ धेगळेकरमेसाभुदेभुपदेमिअसपदेसुमिईळकरेधुगापेकडीनीदेवेमहासाखा ॥

[illegible]

॥ १॥
॥ २॥
॥ ३॥
॥ ४॥

॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥
॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥
॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥
॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥
॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥
॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥
॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥
॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥
॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥
॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

॥ १॥

[illegible]

491

मायसुमायसु

श्री कृष्णाय नमः

2000

1. *Leptocarpus*

THE

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Figure 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मार्गदर्शक

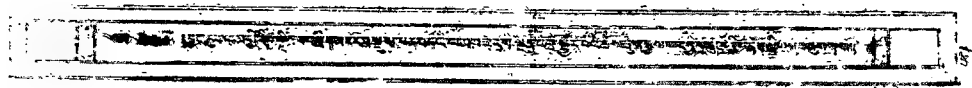
उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या १००, १९७३

बैद्यक परीक्षा

सिद्धांत

[illegible]

[illegible]



1-10-1941

一、此書乃係...
 二、此書乃係...
 三、此書乃係...
 四、此書乃係...
 五、此書乃係...
 六、此書乃係...
 七、此書乃係...
 八、此書乃係...
 九、此書乃係...
 十、此書乃係...

一、此書乃係...
 二、此書乃係...
 三、此書乃係...
 四、此書乃係...
 五、此書乃係...
 六、此書乃係...
 七、此書乃係...
 八、此書乃係...
 九、此書乃係...
 十、此書乃係...

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

...
...
...
...
...
...
...
...

231

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

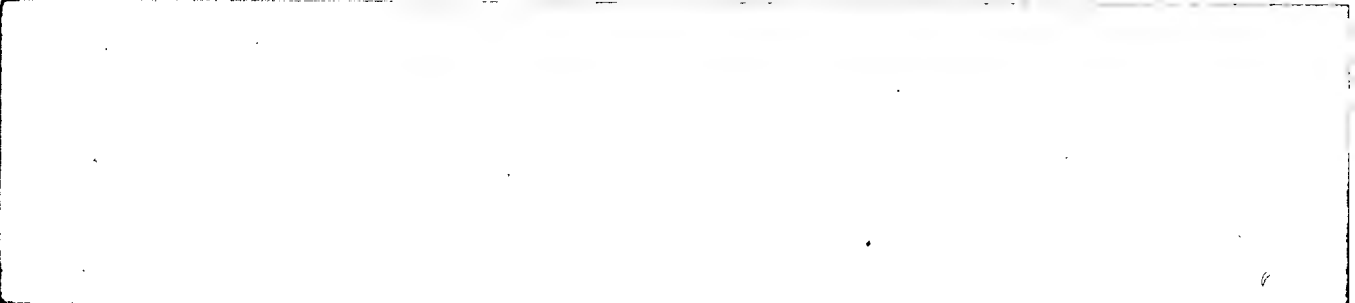
[illegible]

ॐ। इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहंकारमव्ययं कर्मण्यो धर्मस्य सदाचरम् ॥ तत्तु यो विदुर्गुणैर्विदुर्धर्मैश्च ॥ १ ॥ अहंकारोऽव्ययः कर्मण्यो धर्मस्य सदाचरम् ॥ तत्तु यो विदुर्गुणैर्विदुर्धर्मैश्च ॥ १ ॥ अहंकारोऽव्ययः कर्मण्यो धर्मस्य सदाचरम् ॥ तत्तु यो विदुर्गुणैर्विदुर्धर्मैश्च ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।



247-71 104/12 13740

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याये ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शर्मस्तुतः ॥ २ ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
काशिराज उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ ४ ॥
भृष्टकृत्य उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ ६ ॥
भृष्टकृत्य उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ ८ ॥
भृष्टकृत्य उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रेण युद्धे महामती ॥ १० ॥

[The following text appears to be bleed-through from the reverse side of the manuscript page. It contains several lines of handwritten script in Devanagari.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and mostly illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगः समाप्तः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of a historical or administrative document.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धं श्रुत्वा अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रिय
हन्तुं शक्नुमि पाण्डुपुत्रं त्वं हन्तुं शक्यः ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संभूताः सर्वे काङ्क्षन्त्यहे ॥ मामका पाण्डुपुत्रो विराटश्च
 भीमार्जुनसमा ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य ते पुत्रो महारथी
 ययान् ॥ ३ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धं श्रुत्वा अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिप्रिय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 बाणैर्ह्यसंख्यैः शूरा मया संवित्तमाः ।
 द्रुपदो वीर्यवान्द्रुपः प्रहो ययौ ध्रुवम् ।
 भीमार्जुनसङ्घातं तस्मिन् विबुधजन्यम् ।
 उद्यमो द्रुपदो व्यूढः पश्य आचार्य वरम् ।
 अथ द्रुपद उवाच ।
 गच्छतु पांडव ! मेघदूतस्तु मेघनिभम् ।
 विसृज्य मानसं चक्रं हृदि परचेष्टितम् ।
 शिरसा ध्यायेत्तु महाशक्तिं प्रसेविताम् ।
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 बाणैर्ह्यसंख्यैः शूरा मया संवित्तमाः ।
 द्रुपदो वीर्यवान्द्रुपः प्रहो ययौ ध्रुवम् ।
 भीमार्जुनसङ्घातं तस्मिन् विबुधजन्यम् ।
 उद्यमो द्रुपदो व्यूढः पश्य आचार्य वरम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

452

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

No!

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवर्षिभ्यो नमः । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिं प्रह्लादं भीष्मपुत्रं च ।
उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिं प्रह्लादं भीष्मपुत्रं च ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ देवदूतवद्वचनं श्रुत्वा मुनिः ।
 विचिन्तयन्निजमनसि ॥ २ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ ३ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ ४ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ ५ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ ६ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ ७ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ ८ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ ९ ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।
 तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ॥ १० ॥ तस्मिन्निमित्तं प्रवृत्तः सदा ।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the philosophical or religious discourse found in the other pages.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥

2014

THE UNIVERSITY OF CHICAGO
LIBRARY
505

| | | |
|--|--|--|
| | <p> १२४। । ।
 ॥ । ।
 ॥ । ।
 ॥ । । </p> | |
|--|--|--|

99

गङ्गादेः कृष्णाय पुनः पदं पुनः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

— 155 —

ཅེས་པའི་ཁྱིམ་པ་ལྟ་བུ་ལྟོག་པའི་མཁའ་ཁུ་ལྟོག་པའི་

2017年11月17日

॥ यथा स पश्यन् अहं भूतान् भवति स पश्यन् अहं ॥

15 JAN 1971

पुनर्विषयस्य पुनर्विषयस्य

॥ इत्युक्तं ब्रह्मविद्यायाः साङ्ख्ययोगो नाम तृतीयः सर्गः ॥

॥३॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[Faint handwritten text across the bottom margin]

[illegible][illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

9

SEN

॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥

१. वैकुण्ठस्य तस्य ह्युपपत्त्या

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥

१. वैकुण्ठस्य तस्य ह्युपपत्त्या

संक्षेप

5590/1

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible][illegible]

25/3/2014

[illegible]

1990年1月1日

पुस्तक संख्या १९४८

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विद्यार्थकः कृतकृत्यः विद्वान्महोदयः

1960年

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

天啓元年九月

बद्धगोत्रं वा अकृत्य न प्रीतिरिति ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ श्रीगणेशोत्थानम् ॥

ਇਸਦੇ ਅਧਿਕਾਰਕ ਪ੍ਰਮਾਣਿਕਤਾ:

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥





229

२२० । कर्त्तुं शक्यं । १ । २ । ३ । ४ । ५ । ६ । ७ । ८ । ९ । १० । ११ । १२ । १३ । १४ । १५ । १६ । १७ । १८ । १९ । २० । २१ । २२ । २३ । २४ । २५ । २६ । २७ । २८ । २९ । ३० । ३१ । ३२ । ३३ । ३४ । ३५ । ३६ । ३७ । ३८ । ३९ । ४० । ४१ । ४२ । ४३ । ४४ । ४५ । ४६ । ४७ । ४८ । ४९ । ५० । ५१ । ५२ । ५३ । ५४ । ५५ । ५६ । ५७ । ५८ । ५९ । ६० । ६१ । ६२ । ६३ । ६४ । ६५ । ६६ । ६७ । ६८ । ६९ । ७० । ७१ । ७२ । ७३ । ७४ । ७५ । ७६ । ७७ । ७८ । ७९ । ८० । ८१ । ८२ । ८३ । ८४ । ८५ । ८६ । ८७ । ८८ । ८९ । ९० । ९१ । ९२ । ९३ । ९४ । ९५ । ९६ । ९७ । ९८ । ९९ । १०० ।

॥ अथ ॥

॥३॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥३॥

[illegible]

॥ इत्युक्तं भवति ॥

कृष्णसुन्दर

॥ देवदेवतसु नमो नैऋत्ये नमो नमो नमो ॥

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१. समय-अंतर

STATION INFORMATION

गणपतस्तुतं ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥

UNANIMOUSLY APPROVED

[illegible]

— 39 —

[illegible]

[illegible]

[illegible]

19

॥ रामचन्द्राय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

1. हे पद की खोजें और कार्य में देखा हुआ सब कुछ निगल पड़े और ऐन में पहुँचकर १२५ वर्षों का उम्र का हो जाऊँगा।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 युष्मन्ममैव भक्त्युत्तमस्य भक्त्योः ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ दृष्ट्वैतानि महाबाहो पराङ्मुखा ॥ समीपं गच्छतां पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ २ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ४ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ६ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ८ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो । शूरा मरुतो वीरा द्रुपदभीमार्जुन । युधिष्ठिरभद्रकृपासमनुजित ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३०। नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ दशरूपकम् ॥





॥ अथ श्रीगणेशोपनिषद् ॥

[illegible]

७०५
[...]
[...]
[...]
[...]
[...]
[...]

[illegible]

張家駒

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ ८ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः पश्येत् महात्मनः ॥ वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः पश्येत् महात्मनः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १० ॥

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a single continuous line or short paragraph of handwritten script.]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिश्च वीर्यवान्द्रुपदो नाम वैशम्पायनस्य पुत्रः ॥
 संपन्नः श्रेष्ठैर्महर्षिभिराचार्यैर्विश्वामित्रेण च ततः ॥
 ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिरं ध्यानात्पूजितं पादपद्मसेवितम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पांडवश्चैव कीलका समूहाः संख्येया ॥
 मया दृष्टा महारथाश्चेकितानाश्च पांडवकेन हन्यते ॥
 १ ॥

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, spanning the main body of the page. The text is densely packed and appears to be a continuous narrative or record.

Handwritten marginal notes on the right side of the page.

५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...



11

पञ्चमः अथ चतुर्थः अथ तृतीयः अथ द्वितीयः अथ प्रथमः

कृष्णभुजः शिवदत्तवर्मा भूषणचन्द्रकेशः

འཇུག་པའི་ཕྱི་ལོ་ལྷན་པུ་ལཱ་ལྟུང་ལྟུང་།

॥ देवक्यैः प्रोक्तं ॥

संस्कृत-भाषायाः

$\rho_{\text{eff}} = \frac{\rho}{1 - \beta}$, where β is the ratio of the velocity of sound in the medium to the velocity of light.

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

the 1990s, the number of people in the United States who are 65 years of age or older is projected to increase from 20 million to 35 million, and the number of people 75 years of age or older is projected to increase from 10 million to 15 million (U.S. Census Bureau, 1996).

... ..

1000

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

2023-2024

23

[illegible]





10

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
 शिष्योऽहं त्वत्पादौ स्पर्शित्वा ॥ कुरुक्षेत्रे
 सन्निभं ते वदस्व मे सुविनायक ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ २ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ ३ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ ४ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ ५ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ ६ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ ७ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ ८ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ ९ ॥
 उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव
 कीर्यमाणमात्मनः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to contain several lines of handwritten script, possibly Indic or Arabic.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामाश्रितम् । तस्मात्पूज्यहोत्रं विप्र-
तनुधाम्निष्ठं वदस्व मे । मया श्रुत्वा योगेनेष
प्रबोधयेत् । यो ह्यामेव ब्रूहि तदा अनुमतिस्तदा ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
सामान्येऽपि सन् महाबाहो रणधूमलेख ।
विभक्तचेतः प्रवृत्तः स्यान्न दुर्बलाः पाण्डवाश्चैव
कौरवाश्च । तेषामात्मनो बहुधा परिच्छिद्यम् ।
अज्ञानाद्भवत इति केचित्तु त्वया द्रष्टव्यम् ।
अज्ञानं हि मायया बुद्धिवक्त्रं कुर्वते ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति पञ्चमस्कन्धः समाप्तः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १० ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ३ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ५ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ७ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सुः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ९ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
 किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ कर्मणो यो न विन्दति फलं तस्य साधनं ॥ अथ चतुर्विधं साधनम् ॥
 ॥ १ ॥ साधनं नाम ध्यानं समाधिः ॥ अथ ध्यानं नाम मनस्य
 ॥ २ ॥ आचार्य उवाच ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ ३ ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ ४ ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ ५ ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ ६ ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ ७ ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ ८ ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ ९ ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ॥ १० ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥ ध्यानात्तु यो मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

13

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

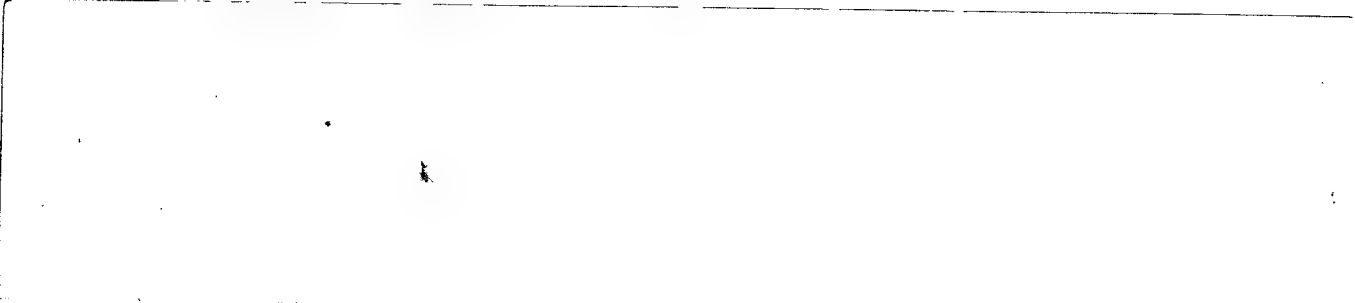
[illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]



[illegible]

598

[illegible]

[illegible]

[illegible]

آپ

भारत के पत्रिका

[illegible]

14/11/2014

3944-3

三、三、三、三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme contrast and noise in the scan.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

31

25

॥ ३९५ ॥

7-24-98, 24

འཕུལ་པའི་ལྷན་ཁག་གི་ལྷན་པ་

॥ अथ भगवत्पुत्रोक्तं ॥

॥ वास्तव्यं यत्तु सत्यं तद्विषयः ॥ देवदेविनाम्नः सर्वेषां भगवन्महोपाध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

ཡི་པར་གྱི་མཛུགས་བློ་དང་ལྟན་འགྲོ་བཞིན་ཆོས་ཀྱི་ཁྱེད་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་

ཕ་རོལ། རྒྱུ་རྩེ་རྒྱལ་ཡུན་གྲིང་།

2013-2014 798 12 31

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script)

Journal of Management Inquiry 18(6)

7. 1945年12月，在苏联的支持下，在柏林召开了欧洲国际会议，会议决定成立联合国。

“我愛我的國”

2025-01-27

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

۹۔ بیوقوفانہ طور پر

2014年12月25日

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

འབྲི་རྒྱུ་དང་མཉམ་སྦྲེལ་གྱི་ཁོ་རྩེ་ཡིན།

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

सुषुप्तिः

॥ श्रीगुरुदेव्यो नमः ॥

उत्सवार्थे दशमरेषु किं दत्तम् ?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

100

विनिर्णयकसमितिद्वारा विनिर्णयितः १९९५-१९९६

2022年11月11日

1945-1946

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

100

[illegible]

1. What is the main purpose of the document?
 2. What are the key findings of the study?
 3. What are the implications of the findings?
 4. What are the limitations of the study?
 5. What are the conclusions of the study?

1940-1941

[illegible]

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Journal of Management Studies, 19(1), 67-80.

॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥

五、

六、

১৩০৭

1. *Chlorophyll a* and *Chlorophyll b* were determined by the method of Lichtenthaler (1987). The total chlorophyll content was determined by the method of Arar and Strobel (1986). The carotenoid content was determined by the method of Lichtenthaler and Sponholz (1981). The total phenolic content was determined by the method of Singleton and Rossi (1965). The total flavonoid content was determined by the method of Zhishen et al. (1999). The total protein content was determined by the method of Lowry et al. (1951). The total amino acid content was determined by the method of Kjedahl (1882). The total sugar content was determined by the method of Dubois and Gilles (1950). The total lipid content was determined by the method of Folch et al. (1957). The total nucleic acid content was determined by the method of Dische (1956). The total mineral content was determined by the method of Ashby et al. (1969). The total organic acid content was determined by the method of Saito et al. (1987). The total alkaloid content was determined by the method of Harborne (1997). The total tannin content was determined by the method of Gallardo et al. (1998). The total terpenoid content was determined by the method of Kondo et al. (1999). The total steroid content was determined by the method of Kondo et al. (1999). The total glycoside content was determined by the method of Kondo et al. (1999). The total saponin content was determined by the method of Kondo et al. (1999). The total alkaloid content was determined by the method of Harborne (1997). The total tannin content was determined by the method of Gallardo et al. (1998). The total terpenoid content was determined by the method of Kondo et al. (1999). The total steroid content was determined by the method of Kondo et al. (1999). The total glycoside content was determined by the method of Kondo et al. (1999). The total saponin content was determined by the method of Kondo et al. (1999).

RESEARCH

| | | | |
|--|---|---|--|
| | ॐ | <p> ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ </p> | |
|--|---|---|--|

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

